	हुक्म कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
19/9/24	पत्रावली आज पेश हुई। वकील प्रार्थी द्वारा/ मूल वाद का निस्तारण हो चुका है। अतः उक्त प्रार्थना-पत्र का कोई औचित्य नहीं रह गया है। लिहाजा पत्रावली नियमानुसार होकर दाखिल दफ्तर हो।	

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2024.09.22 12:03:06 IST
Reason: SelfAttested